समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

‘गोबर, कचरे और बांस से चलेगी गाड़ियां’, नितिन गडकरी ने दिया देश को वैकल्पिक ऊर्जा का नया फॉर्मूला।

Publisher

Published on 26 Jun 2025

भारत को तेल आयातक से ऊर्जा निर्यातक देश बनाने की दिशा मे बंड़ा कदम, अब ग्रीन हाइड्रोजन और बायोगैस से चलेगी देश की गाड़ियां।

Biogas Vehicle Scheme: भारत के केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री **नितिन गडकरी** ने हाल ही में एक कार्यक्रम में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की सड़कें उन गाड़ियों से भर जाएंगी, जो **गोबर, बांस, कचरे** और **बायोडीग्रेडेबल वेस्ट** से बने **ग्रीन फ्यूल** से चलेंगी। यह योजना भारत को न केवल **आत्मनिर्भर** बनाएगी बल्कि **पर्यावरण संरक्षण** में भी **मील का पत्थर** साबित होगी।

भारत की फ्यूल क्रांति : चार वैकल्पिक ईंधन होंगे गेमचेजंर
गडकरी ने कहा कि भारत अब चार प्रमुख वैकल्पिक ईंधनों पर केंद्रित होकर काम कर रहा है :
१. **ग्रीन हाइड्रोजन**
२. **इथेनॉल और फ्लेक्स-फ्यूल**
३. **कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG)**
४. **इसोब्यूटेनॉल डीजल मिक्स**

इन सभी ईंधनों का उद्देश्य पारंपरिक **पेट्रोल-डीजल** पर निर्भरता को खत्म करना और **भारत को हरित ऊर्जा (Green Energy)** में अग्रणी बनाना है।

27 हाइड्रोजन ट्रकों का परीक्षण शुरू

सरकार ने **500 करोड़ रुपये** की लागत से **27 हाइड्रोजन ट्रकों** के ट्रायल शुरू किए हैं। ये ट्रक **दिल्ली-आगरा, मुंबई-पुणे, जामनगर-वडोदरा** जैसे हाईवे रूट्स पर दौड़ेंगे। इन ट्रकों में **ICE** और **Fuel Cell टेक्नोलॉजी** का इस्तेमाल किया जा रहा है।

बायोगैस और इथेनॉल से आत्मनिर्भर भारत

देशभर में **बायोगैस प्लांट** लगाए जा रहे हैं, जिनसे न केवल किसानों को आय का नया स्त्रोत मिलेगा, बल्कि गांवों को साफ ईंधन भी उपलब्ध होगा। **इथेनॉल** मिलाकर पेट्रोल बेचना अब अनिवार्य हो गया है, जिससे तेल आयात में कमी आएगी।

भारत बनेगा नंबर-1 ऑटोमोबाइल बाजार

गडकरी का विज़न है कि भारत आने वाले **5 वर्षों मे दुनिया का नंबर-1 ऑटोमोबाइल मार्केट** बने। **इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड, हाइड्रोजन** और **बायोफ्यूल** आधारित गाड़ियों का विस्तार इस लक्ष्य को साकार करेगा।

अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों को लाभ

यह रणनीति **भारत की अर्थव्यवस्था** को मजबूत करने के साथ-साथ **प्रदूषण** को भी कम करेगी। आयातित कच्चे तेल पर खर्च होने वाले **22 लाख करोड़ रुपये** की बचत होगी, जिससे देश की **ऊर्जा सुरक्षा** सुनिश्चित होगी।

गडकरी का संदेश

"भारत को अब तेल आयातक नहीं, बल्कि ऊर्जा निर्यातक देश बनाना है। गोबर, कचरा, बांस जैसे संसाधनों से भी हम ईंधन बना सकते हैं। यह केवल टेक्नोलॉजी और नीयत की बात है।" – **नितिन गडकरी**

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.